SA : I - 2018

DATE : 06/04/2018 **STD : 10 : हिन्दी** **TIME : 3 HOURS**

MARKS : 100

PART : A

(1) (C) घना

(2) (A) मामा

(3) (C) झाडी में

(4) (C) जिवन जीने को

(5) (B) पूर्ण संग्रह का

(6) (C) फ्रांसीस लेखक

(7) (B) अभिमान

(8) (C) प्रतपक्षी

(9) (D) जन्मस्थान

(10) (A) अणु

(11) (A) विज्ञानी

(12) (D) आनंद की

(13) (D) चंद्रमा को

(14) (B) जलना

(15) (B) पानी

(16) (B) स्वाद की

(17) (B) भतीजा

(18) (A) लाडली

(19) (C) ईन्द्र

(20) (D) यमुना

(21) (D) आठ

(22) (C) श्री प्रकाश

(23) (A) ईमानदारी

(24) (D) तुम लोग अपने काम में गर्व नहीं देते

(25) (A) भगत

(26) (C) सतगुरु

(27) (D) नारायण

(28) (B) दूघ

(29) (C) दन्तुल

(30) (B) मल्लिका की

(31) (B) शिला

(32) (A) हिमाचल

(33) (D) कृष्ण

(34) (A) नारायण मूर्ति से

(35) (A) कम्प्यूटर विज्ञान

(36) (B) पूना

(37) (D) सहायक – मददगार

(38) (C) शारीरिक

(39) (B) कुपोषण

(40) (A) परीक्षण

(41) (C) तत्पुरुष

(42) (D) दिन-दिवस

(43) (B) परि + आप्त

(44) (B) सर्जक

(45) (C) बाग – बागबान

(46) (A) शावक

(47) (C) प्रियता

(48) (A) क्रोधित होना

(49) (B) अत्यंत प्रसन्ना होना

(50) (B) नाच न जाने आँगन टेढा

PART : B

प्र.- 1(A) निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्य में उत्तर

उत्तर : (1) मोती और धागा दो अलग-अलग वस्तुएँ है । लेकिन मोती जब धागे मे पिरोया जाता हो तो दोनो एकाकार हो जाते हे । संत रैदास मोती और धागे के माध्यम से कहना चाहते हे किं उनकी भक्ति आत्मा और परमात्मा यानी भक्त और भगवान के एकाकार हो जानी की है ।

उत्तर :(2) मीरांबाई ने अपने सतगुरु की कृपा से रामरतन धन नामक अमूल्य वस्तु प्राप्त की थी । मीरांबाई उसे अपने जन्म-जन्मांतर को पूँजी मानती हे । इस धन की ये विशेषताएँ हे कि यह न तो खर्च होता है और न कोई चोर इसे चुरा सकता हे । इसमें रोज-रोज सवाई वृद्धि होती हैं ।

उत्तर :(3) लकुटी लेकर रसखान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि में कृष्ण की भाँति वन में भटकते हुए गए चराना चारते हैं । इससे वे अपन आपको श्रीकृष्ण के समीप होने का अहसास करता चाहते हैं ।

(B) निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्य में उत्तर लिखो ।

उत्तर :(1) इस काव्य में एक शिकारी कुत्ता एक खरहे का पीछा करता है । और खरहा अपन जान बचाने के लिए भागता हुआ कँटीली झाडी में छिप जाता हैं । और उसकी जान बच चाती हैं ।

इस काव्य से यह बोध मिलता हैं कि चाहे छोटा जीव हो या बड़ा कमजोर हो या शक्तिशाली जब उसके प्राणो पर बन आती है । तो उसमें अदभूत शक्ति आ जाती हैं । व्यक्ति को संकट के समय अपनी सारी शक्ति लगाकर अपनी जान बचानी चाहिए ।

उत्तर :(2) मनुष्य को अपनी जन्मभूमि से बहुत लगाव होता हैं । वह कही भी रहे पर उसका मन अपनी जन्मभूमि में पहुँचने के लिए लालापित रहता हैं । अपनी जन्मभूमि को धरा, नदियाँ, पर्वत, महापुरुष, महान नारियाँ, परंपराए, रीति रिवाज उसे बांधे रहते हैं । वह अपनी जन्मभूमि के लिए अपना सर्वस्व त्याग करने के लिए तैयार रहता है । इस तरह कविने जन्मभूमि को स्वर्ग से महान बताया है ।

(C) निम्नलिखित आशय स्पष्ट कीजिए । (किन्ही एक)

उत्तर :(1) मीरांबाई अपना आराध्य देव श्रीकृष्ण के प्रेम की दीवानी हैं । उन्हे प्राप्त करने के लिए उन्होने अपने भाई, बंधु परिवारजनो और सभी सगे-संबंधियो से रिश्ता तोड लिया हैं । उन्होने तरह-तरह को बदनार्मियां सही हैं । और लाज-शर्म सबको तिलांजली दे दी हैं । कहने का अर्थ यह है कि उन्होने अपना सर्वस्व गँवाकर अपने जन्म-जन्मोतर की रामनाम रुपो अमूल्य पूँजी प्राप्त की है । यह ऐसी पूँजी हे जिसका कोई जोड नहीं हैं ।

उत्तर :(2) मनुष्य के शरीर में उसका भाल यानी कपाल सबसे महत्वपूर्ण अंग माना जाता हैं । हिमालय संसार में सबसे बडा और सबसे ऊँचा पहाड है । इसे भारत का सिर कहा जाता है । इस तरह हिमालय भारत का गौरव हैं ।

प्र.- 2(A) निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्य में उत्तर लिखो । (किन्ही दो)

उत्तर :(1) लडके बूढी काकी को सताया करते थे लडको मे से कोई उन्हे चुटकी कहकर भागता या और कोई उन पर पानी की कुल्ली कर देवा था । इस तरह लड़के बुढी काकी को सताते थे ।

उत्तर :(2) मल्लिका कालिदास के साथ बरसाद में बाहर गई थी । इसलिए वह बुरी तरह भीगकर घर लौटी थी । मल्लिका अनुमान करती है कि उसकी माँ के रुष्ट होने का यह कारण है ।

उत्तर :(3) हमारे देश के लोग अपने काम में गर्व नही लेतै हैं । इसके अलावा वे अपनी जिम्मेदारी भी नहीं समइते । यहाँ के लोग श्रम का महत्व नहीं पहचानते और स्वयं महेनत करने से परदेज करते हैं । गुणी और जानकर लोगो में उदारता नहीं है । वे अपनी विद्या दूसरो को बताना नहीं चाहते. यदि इन बुराइयो को दूर कर दिया जाए तो हमारे देश में जागृति आ सकती हैं ।

(B) निम्नलिखित प्रश्न के चार-पाँच वाक्य में उत्तर लिखो । (किन्हीं एक)

उत्तर :(1) हमारा जीवन एक शीशाघर हैं । हम जो भी करते है । उसका प्रतिबिंब एक हो समय में सेंकडो लोगो पर पडता हैं । हर आदमी पूर्णसंग्रह का अंश हैं । वह जो कुछ अपने लिए करता हैं । उसमें दूसरो का भाग होता हैं। दूसरे लोग जो कुछ करते हैं उससे वह प्रभावित होता हैं । इसलिए आदमी का जीवन उसकी अपनी व्यक्तिगत जायदाद नहीं हैं ।

उत्तर :(2) साक्षात्कार में काफी तकनीकी प्रश्न पूछे गए थे और सुधामूर्ति ने उनके सही-सही उत्तर दिए थे । पर एक बुजुर्ग सज्जन ने कहा कि यहाँ फेकदरी ने मुख्य कार्य-स्थल पर महिलाओ की नियुक्ति नही होती । उनका उत्तर सुनकर सुधाने दृठतापूर्वक कहा कि आपको कही-न-कही से तो शरुआत करनी होगी । वरना आ-पनी फैकदरी में कभी भी कोई महिला काम नहीं कर पाएगी और सुधा को उस कंपनी में इंजीनियर के पद पर नियुक्त कर दिया गया ।

(C) निम्नलिखित आशय स्पष्ट कीजिए । (किन्हीं एक)

उत्तर :(1) मनुष्य के व्यक्तिगत जीवन का प्रभाव उस तक हो सीमित नहीं रहता वह दूसरो पर भी पडता हैं । सुख दु:ख की हदन दूसरो को भी लगती हैं । हम उदास रहेगे तो हमे देखकर दूसरे भी उदास होगे । हम खुश रहेगे तो हमे देखकर दूसरो भी खुश होगे । इस तरह खुश रहना केवल एक जरुरत हो नहीं यह एक नैतिक उत्तरदायित्व भी है ।

उत्तर :(2) शिकारी व्यक्ति और किसी को जान बचानेवाले जोने में बहुत फर्क होता है । शिकारी को शिकार करके किसी के प्राण लेने में कोई झिझक नहीं होती बल्कि वह इसे अपनी बहादूरी और मनोरंजन के रुप में देखता है । वह शिकार करताँ अपना शौक मानता है । और शिकार पर अपना अधिकार मानता हैं । पर संवेदनशील व्यक्ति का हृदय किसी घायल प्राणी को देखकर द्रवित हो उठता हैं । वह उसका प्राण बचाने के लिए अपनी जान लडा देता हैं । अधिकार जतानेवाला व्यक्तिगत प्राण लेने पर खुश होता हैं । जबकि संवेदनशील व्यक्ति किसी की जान बचाकर खुश होता हैं । यदि कोई किसी को प्राण दे नहीं सकता हैं तो उसे किसी का प्राण लेने का भी अधिकार नही है ।

प्र.- 3(A) निम्ननुसार पत्र लेखन लिखिए ।

21, वसंत सोसायटी, अलकापुरी सोसायटी, सूरत से कमल शाह अपने छोटे भाई को व्यायाम का महत्त्व बताते हुए पत्र लिखता है ।

લેખનકાર્ય અનુસાર માર્ક આપવા

(B) निम्ननुसार कहावत समझाईए ।

साँप भी मरे और लाठी भी न टूटे ।

काम भी हो जाए और कोई नुकसान भी नहीं

जहाँ बिना नुकसान उठाठा काम करने की बात होती हैं । वहाँ इस कहावत का प्रयोग किया जाता हैं जेसे

ऐसा उपाय बताओ कि उससे ..... भी मिल जाएँ और संबंध भी न बिगडे ।

(C) निम्नलिखित विचार विस्तार स्पष्ट कीजिए । (किन्ही एक)

(1) कर भला होगा भला : कहते है कि जैसी करनी, वैसी भरनी । जैसा हम करेगें वैसा हो पाऐगे । आम के बीज बोएँगे तो आम के मीठे फल स्वादिष्ट मिलेगे और बबूल बोएँगे तो काँटे मिलेगे । देने और पाने की यह शाश्वत परम्परा हैं । इस लिए यदि हम किसीका भला करेगें तो निश्चित रुप में हमारा भी भला होगा । भलाई का बीज कभी व्यर्थ नहीं जाता । यदि हमने भलाई का बीज बोया हैं तो हमे उसके वृक्ष से भलाई के फल ही मिलेगे । चीटी ने शिकारी के पैर में काटकर तोते की जान बचाई तो तोते ने उसे डूबने से बचाया । एक ग्रीक गुलाम ने सिंह के पैर से काँटा निकालकर उसे राहत दी तो सिंह ने उस पर आक्रमण न करके उसे गुलामी के जीवन से मुक्त करवा दिया । इस प्रकार की हुई भलाई के रुप में ही वापस आती है ।

(2) नर जो करनी करे तो नारायण बन जाए । : मनुष्य के जीवन में करनी अर्थात् कर्म का बडा महत्व हैं । मनुष्य के कर्म ही समाज में उसको श्रेणी निर्धारित करते हैं । नीच कर्म करनेवाला अधम और श्रेष्ठ कर्म करनेवाला व्यक्ति उत्तम माना जाता है । हम राम कृष्ण महावीर वृद्ध नानक आदि को भगवान मानते है । क्योंकि उन सबने अच्छे कर्म किए थे । इन्होने लोगो की भलाई में अपना सारा जीवन लगा दिया परोपकार हो उनके जीवन का ध्येय था । उन महापुरुषो के सत्कर्मो ने ही इन्हे महान बना दिया कि लोग उन्हे भगवान मानने लगे और उनकी पूजा करने लगे । इस प्रकार नारायण की तरह पूज्य और वंदनीय बनने के लिए मनुष्य को अद्धि और कर्तव्यनिष्ठा बनना चाहिए ।

प्र.- 4(A) निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(1) पुरुषो को जो शिक्षा दिताजी है उससे भिन्न प्रकार की शिक्षा स्त्रीयों को दिजानी चाहिए । कताई, बुनाई, सिलाई, कढाई आदि की

(2) स्त्रियों को उचित शिक्षा देने से हमारा घर स्वर्ग बन सकता है ।

(3) केवल किताबी ज्ञान या अक्षरज्ञान हो शिक्षा नहीं है । शिक्षा का सही अर्थ है सुंदरता से जीवन पावन करने की कला.

(4) कढाई, बुनाई, सिलाई, कटाई आदि की शिक्षा कुटीर उद्योगो में भी निपुण बनाया जाना चाहिए । जिससे बुरा समय आने पर वे किसी की मोहताज न रहे ।

(5) शीर्षक : स्त्री-शिक्षा का महत्त्व - शिक्षा और स्त्रियाँ

(B) निम्नलिखित अहवाल लीखिए ।

अपने विद्यालय में मनाए गए स्वतंत्रता दिवस समारोह का 100 शब्द में अपनी भाषा में अहवाल

प्र.-5(A) रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखकर शिर्षक और बौध लिखिए ।

ग्रीस देश का एक राजा । बहूत निर्दयी था । उसके यहाँ अनेक गुलाम थे । वह उनसे मजदूरी करवाता था ।

एक बार एक गुलाम ने चोरी से ठाक फल खालिया । गुलाम अभी लड़का हो था फिर भी राजा ने उसे कठोर दंड देने का निश्चय किया । दंड के भय से वह गुलाम जंगल में भाग गया । वहाँ एक झाडी मे छिपकर बैठ गया ।

झाडी में बैठे गुगाम लड़के ने एक सिंह को कराहते की आवाज सुनी । लड़का झाडी से निकल कर सिंह के पास आया । उसे लगा कि सिंह के पैर में कुछ तकलीफ है । उसने सिंह के पैर का दायाँ पँजा

उठाकर देखा । उसमें एक बड़ा काँटा घुस गया था । लड़के ने धीरे से वहँ काँटा निकाल दिया । सिंह की पीडा दूर हो गई । इसके बाद दोनो में मित्रता हो गई ।

गुलाम लड़के को पकड़ ने के लिए राजा के सिपाही चारो और घूम रहे थे । उन्होने लड़ते को जंगल में देख लिया । वे उसे गिरफतार करके राजा के सामने ले गए । राजा ने लड़के को मौत की सजा सुनाते हुए कहा इसे भूखे सिंह के सामने डाल दिया जाए ।

जंगल सिंह का पकडकर लाया गया । उसे कई दिनो तक भूखा रखा गया । फिर एक दिन लड़ते को उसके पिंजड़े में फेंक दिया गया । भूखा सिंह उस लड़के को खाने के लिए झपटा ।

लड़के के प्रति सिंह के स्नेहपूर्ण व्यवहार ने सबको चकित कर दिया । राजा भी इससे बहुत प्रभावित हुआ । उसने कहा जब जंगल का राजा इस लड़के के प्रति दयालु है तो मझे भी फस पर दया करनी चाहिए ।

सीख : सचमुच खूखार पशु भी अपने साथ कए गए उपकार को नही भूलते ।

(B) निम्नलिखित विषय पर 150 शब्द में निबंध लिखिए ।

(1) महँगाई एक विकट समस्या :

महँगाई का अर्थ और स्वरूप – महँगाई के कारण – महाँगाई के दुष्पपरिणाम – महँगाई के नियंत्रण के उपाय ।

(2) मेरा भारत महान :

संस्कृति – लोग, आर्थिक स्थिति, महत्ता, सुवर्ण भूमि – भव्य इतिहास – स्वाधीनता और उज्जवल भविष्य ।

◇◇◇◇◇